



Himashu



Nidhi

Model: Love-Horoscope

Order No: 121138301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19/02/1997 :	जन्म तिथि	: 28/04/1997
बुधवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 11:40:00 :	जन्म समय	: 08:35:00 घंटे
घटी 11:49:01 :	जन्म समय(घटी)	: 07:09:05 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Khanna
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:42:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:56:23 :	सूर्योदय	: 05:44:18
18:13:56 :	सूर्यास्त	: 19:01:05
23:49:03 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:09
वृष :	लग्न	: मिथुन
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
कर्क :	राशि	: धनु
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: गुरु
पुनर्वसु :	नक्षत्र	: पूर्वाषाढा
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
4 :	चरण	: 2
आयुष्मान :	योग	: सिद्ध
कौलव :	करण	: गर
ही-हीरा :	जन्म नामाक्षर	: धा-धारिणी
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
विप्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: वानर
देव :	गण	: मनुष्य
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मेष :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
गुरु 1वर्ष 2मा 4दि
बुध

25/04/2017

26/04/2034

बुध	22/09/2019
केतु	18/09/2020
शुक्र	20/07/2023
सूर्य	26/05/2024
चन्द्र	25/10/2025
मंगल	22/10/2026
राहु	11/05/2029
गुरु	16/08/2031
शनि	26/04/2034

अंश

09:07:29
06:49:32
02:21:03
10:59:01
21:22:06
12:49:25
26:17:47
11:39:09
05:11:34
05:11:34
12:16:56
04:49:28
11:41:51

राशि

वृष
कुंभ
कर्क
कन्या व
मक
मक
मक
मीन
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो व

राशि

मिथु
मेष
धनु
सिंह
मेष
मक
मेष
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

00:10:48
14:03:17
18:26:08
22:55:12
09:38:04
25:20:14
20:39:51
19:53:59
04:09:14
04:09:14
14:45:38
06:08:04
11:07:29

विंशोत्तरी

शुक्र 12वर्ष 4मा 4दि
मंगल

02/09/2025

01/09/2032

मंगल	29/01/2026
राहु	16/02/2027
गुरु	23/01/2028
शनि	03/03/2029
बुध	28/02/2030
केतु	27/07/2030
शुक्र	26/09/2031
सूर्य	01/02/2032
चन्द्र	01/09/2032

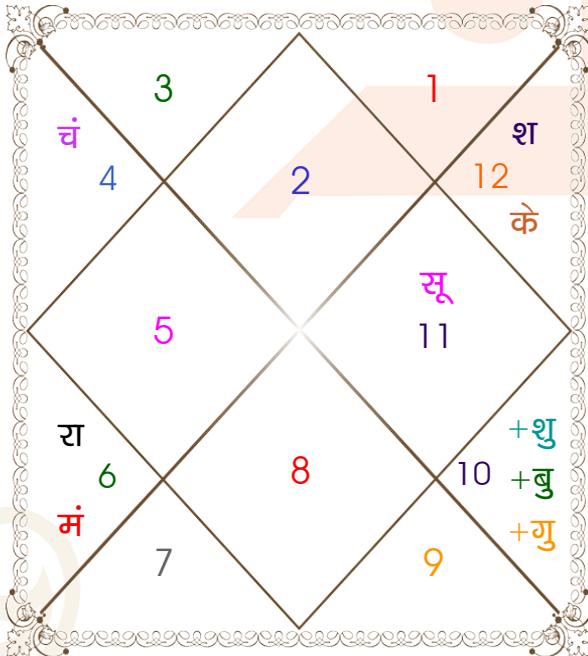
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

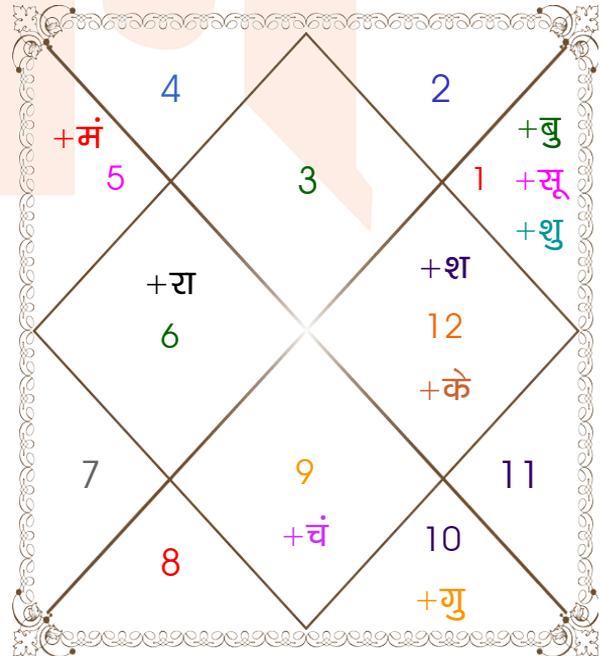
राहु : स्पष्ट

23:49:03 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:09

लग्न-चलित



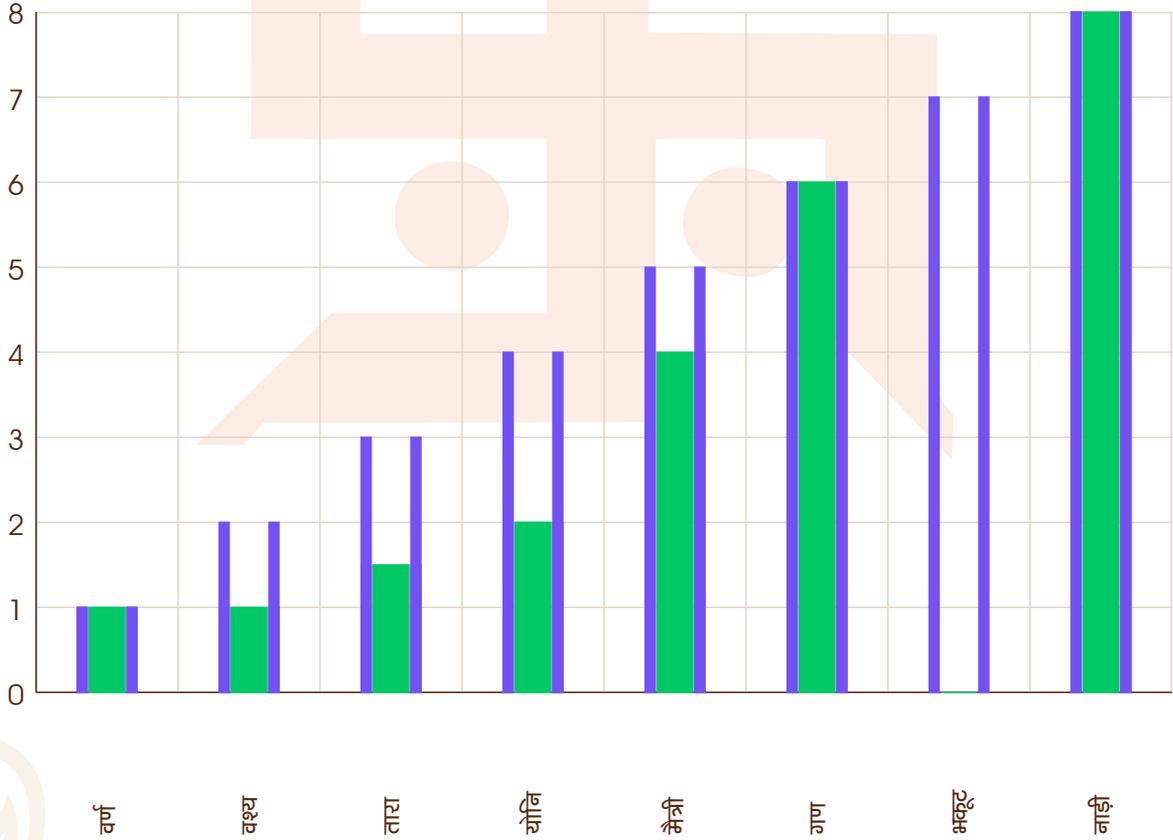
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : 23.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
Himashu का वर्ग मेष है तथा Nidhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Himashu और Nidhi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Himashu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।
Nidhi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।
Himashu तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Himashu का वर्ण ब्राह्मण तथा Nidhi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Nidhi में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Nidhi आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Nidhi सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Himashu का वश्य जलचर है एवं Nidhi का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Himashu की तारा साधक तथा Nidhi की तारा प्रत्यरि है। Nidhi की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Himashu एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Nidhi का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Nidhi के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Himashu अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Himashu की योनि मार्जार है तथा Nidhi की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को

लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Himashu का राशि स्वामी Nidhi के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Nidhi का राशिस्वामी Himashu के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Himashu का गण देव तथा Nidhi का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Nidhi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Himashu से Nidhi की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Nidhi से Himashu की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है।

क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Himashu लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Nidhi को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Himashu की नाड़ी आद्य है तथा Nidhi की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Himashu की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Nidhi की राशि अग्नि तत्व युक्त धनुराशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं अग्नि तत्व में विषमता एवं विरोध का भाव होता है। अतः इसके प्रभाव से Himashu और Nidhi के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता में कमी आएगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नहीं रहेगा।

Himashu और Nidhi की राशियां परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यदि Himashu और Nidhi परस्पर सामंजस्य का अनुपालन करें तो उनके दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति उत्पन्न हो सकती है तथा उपरोक्त असमानताओं में न्यूनता आ सकती है। Himashu और Nidhi परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबंधों में मधुरता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान सहयोग एवं प्रेम का भाव रहेगा।

Himashu और Nidhi की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है यह एक प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से Himashu और Nidhi के मध्य अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे तथा परस्पर विरोध का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शांति में न्यूनता आएगी। अतः यदि धैर्य पूर्वक परस्पर व्यवहार किया जाय तथा एक दूसरे के विरोध की अपेक्षा सम्मान जनक स्थान प्रदान किया जाय तो Himashu और Nidhi का वेवाहिक जीवन सुखी हो सकता है।

Himashu का वश्य जलचर तथा Nidhi का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया जलचर एवं चतुष्पद में नैसर्गिक रूप से समता एवं मित्रता का भाव होता है। अतः Himashu और Nidhi की अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। जिससे दोनों एक दूसरे को कामभावनाओं में भी सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में सफल होंगे।

Himashu का वर्ण ब्राह्मण तथा Nidhi का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से Himashu शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों में रुचिशील रहेंगे तथा Nidhi साहसी तथा पराकामी कार्यों को सम्पन्न करने में प्रवृत्त रहेंगी। अतः कार्य क्षेत्र में उन्नति निरन्तर बनी रहेगी।

धन

Himashu और Nidhi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके आर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन

धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Himashu की नाड़ी आद्य तथा Nidhi की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही Himashu और Nidhi के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति की दृष्टि से Himashu और Nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Himashu और Nidhi को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Himashu और Nidhi के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Nidhi का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Nidhi के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाकटरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Nidhi सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Himashu और Nidhi को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Himashu और Nidhi का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Nidhi के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Nidhi धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Nidhi के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सुविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Nidhi का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Nidhi से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Himashu के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Himashu अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Himashu का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Himashu का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Himashu तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Himashu के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

लग्न फल

Himashu

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश किए अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भली प्रकार जानते हैं, तथा धन संचयन को महत्व देते हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगे। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाते हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेते हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृत्ति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करते रहते हैं। आप अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाते हैं।

आप मध्यम कद के उन्नत लालट एवं चमकीली आंखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करते रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगे। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगे तथा आपके दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगे, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगे। आपके द्वारा पसंद किया गया जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तो आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत व्यक्ति हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल है।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक है। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।

Nidhi

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते हैं। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नहीं बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नहीं बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में

असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते हैं। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूएँजा, कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ट रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वास सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।

अंक ज्योतिष फल

Himashu

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगे। बहुतों का पालन करेंगे। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगे। एकाध कार्यों में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगे और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगे। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यों में आप तन मन धन से सेवा करेंगे और नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आपको अपने रोजगार-व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगे एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Nidhi

आपका जन्म दिनांक 28 है। दो एवं आठ के योग से एक आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा आठ का शनि है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके जीवन में आयेगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य जीवनदाता है एवं ब्रह्माण्ड में स्थिर ग्रह है। अन्य सभी ग्रह तो सूर्य के चक्कर लगाते हैं। अतः सूर्य ग्रह के प्रभाववश आप एक स्थिर प्रकृति की महत्वाकांक्षी, उदीयमान, प्रतिभाशाली महिला के रूप में पहचानी जायेंगी। आप स्वतंत्र विचार धारा की धनी होंगी। पराधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। आप प्रत्येक कार्य को स्वतंत्रता पूर्वक निष्पक्ष संपादन करने की हिमायती रहेंगी। इससे आपको प्रतिद्वन्दियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप स्थायी एवं दीर्घ कालीन संबंध बनाने पर विश्वास करेंगी। आपकी कोशिश हमेशा यही रहेगी कि जब भी आप किसी के साथ मित्रता, व्यापारिक, सामाजिक, राजनैतिक अथवा प्रेम, रोमांस, इत्यादि के जो भी संबंध बनाएँ उनमें स्थायित्व रहे।

सूर्य जिस तरह प्रकाशित ग्रह है। उसी भाँति आप भी अपने जीवन में सदा प्रकाशित रहना पसन्द करेंगी। समाज वर्ग विशेष में मुखिया की भूमिका आप बखूबी निभाने की क्षमता रखेंगी। अपनी मेहनत के बल पर आप सभा-सोसायटी, संगठनों इत्यादि में प्रमुख पद को प्राप्त करेंगी।

अंक दो के स्वामी चन्द्र के कारण आपमें कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी। आप जो भी सृजन करेंगी उसमें मौलिकता रहेगी। अंक आठ का स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से कभी-कभी आपके अन्दर नैराश्य भाव जाग्रत होगा। आलस्य में वृद्धि होगी और बनते हुये कार्यों में रुकावटें आयेंगी।

Himashu

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

Nidhi

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रुढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।